फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 109 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 20 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com



He Was A Wrestler, A Tavern Keeper, An...

Behind Lincoln's humour and storytelling lay periods of deep sadness. Biographers have described his struggles with melancholy, compounded by the deaths of family members

The Indonesian Print That Was Once Reserved for Kings

'मैं आपका चैलेंज स्वीकार करता हूँ'

योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव को कहा, आप अयोध्या से चुनाव लड़ने का पर्चा भरें, मैं भी तुरन्त पर्चा भर दूंगा

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। क्या अयोध्या सीट पर योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव के बीच सीधा मुकाबला होगा?

खुद आदित्यनाथ और अखिलेश जैसे बड़े नेताओं के बयानों से ऐसी अटकलें तेज हो गई हैं।

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष के बीच 2027 के विधानसभा चुनाव में अयोध्या सीट पर संभावित सीधे चुनावी मुकाबले को लेकर तीखी बयानबाजी हुई है।

दो साल पहले फैजाबाद लोकसभा सीट पर भाजपा की हार के बाद, अयोध्या विधानसभा क्षेत्र एक बार फिर राजनीतिक चर्चा के केन्द्र में आ गया है। यह सीट फैज़ाबाद लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है।

इस बयानबाजी की शुरुआत तब हुई, जब अखिलेश ने अक्टूबर की शुरुआत में अयोध्या दौरे के दौरान आदित्यनाथ को चुनौती देते हुए कहा, "अगर बड़े-बड़े दावे करने वाले मुख्यमंत्री को इतना ही भरोसा है, तो उन्हें खुद अयोध्या से चुनाव लड़ना चाहिए।" उन्होंने दावा किया कि सपा द्वारा इस सीट से तेज नारायण उर्फ पवन पांडे को उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद, भाजपा को अपना प्रत्याशी तय करने में मुश्किल हो रही है।

आदित्यनाथ ने तुरंत इस चुनौती को स्वीकार कर लिया और दांव और बढ़ा दिया। बलरामपुर में एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, "अखिलेश जी, मैं आपको चुनौती देता हूं। आप श्री अयोध्या धाम से अपना नामांकन दाखिल कीजिए और मैं भी अपना नामांकन दाखिल करूंगा। आइए, एक बार अपनी किस्मत आजमाते हैं।"

उन्होंने 19 नवंबर को गोरखपुर में भी अपनी चुनौती दोहराई। आदित्यनाथ ने कहा, "अगर आप (अखिलेश यादव) वहां से अपना नामांकन दाखिल करते हैं, तो मैं भी अपना नामांकन दाखिल करूंगा। आमने-सामने का सीधा मुकाबला होने दीजिए।" साथ ही, उन्होंने यादव पर, हिम्मत न होने और पीठ पीछे वार करने का आरोप लगाया। उन्होंने सपा पर कथित तौर पर माफियाओं से जुड़े होने का आरोप भी लगाया।

इसके जवाब में अखिलेश ने कहा कि जिन लोगों का अपना टिकट अभी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पर, चुनाव की गणित के जानकार लोगों का कहना है, यह चैलेंजबाज़ी केवल मीडिया में बने रहने का प्रयास है। दोनों उम्मीदवार (योगी आदित्यनाथ व अखिलेश यादव) अपनी पहले से ही चयनित सीट से चुनाव लड़ेंगे।
- जैसा कि विदित ही है, 2022 के विधानसभा चुनावों में सपा ने पाँच सीटें जीती थीं, अयोध्या जिले में, तथा भाजपा को तीन सीटों पर जीत हासिल हुई थी।
- पर, 2025 में मिल्कीपुर चुनाव में भाजपा ने सपा उम्मीदवार को 61,000 मतों से हराया था। इस जीत के बाद, फैज़ाबाद के लोकसभा क्षेत्र में भाजपा ने पाँच विधानसभा सीटें जीती थीं। तथा इनके बाद, गोसांई गंज से निर्वाचित सपा उम्मीदवार भाजपा में शामिल हो गए थे।
- अतः, एक दूसरे को चैलेंज देने की घोषणा केवल, कार्यकर्ताओं को बांधे रखने की कोशिश का हिस्सा है और असल में चुनाव तो उसी चुनाव क्षेत्र से लड़ा जाएगा, जो मतदाताओं की गणित को मद्देनज़र रखते हुए चयनित की जा चुकी है।

'खाओ, पियो, मौज करो नहीं, मंत्री काम पर ध्यान दें'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को बचत और वित्तीय अनुशासन पर नए सिरे से जोर देने की बात कही। उन्होंने अपने मंत्रिपरिषद के सदस्यों से कहा कि भारत की संस्कृति बचत पर आधारित

- प्रधानमंत्री ने मंत्रियों को नसीहत दी और बचत व वित्तीय अनुशासन पर जोर दिया।

है, न कि "खाओ, पियो और मौज करो" की सोच पर।

उन्होंने मंत्रियों को यह चेतावनी भी दी कि यदि उन्होंने वित्तीय अनुशासन का पालन नहीं किया, तो लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में अब तक मिली सफलता बेकार हो सकती है।

सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने मंत्रियों से कहा, "भारतीय संस्कृति खाओ, पियो और मौज करो में विश्वास नहीं करती।" उन्होंने जोर देकर कहा कि बचत को बढ़ावा देना बहुत जरूरी है, ताकि गरीबी से बाहर निकल चुके लोग दोबारा गरीबी में न चले जाएं।

'बाला साहब ठाकरे की फोटो को हर्षित मुद्रा में फाड़ा, प्रेस कॉन्फ्रेंस में'

पर, फिर कृत्य की गंभीरता समझ में आई और माहौल बदलना पड़ा, उसी नेता को

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। शिवसेना की नेता शाइना चुडासमा मुनोत ने बुधवार को अपनी पार्टी के अन्य नेताओं के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे की तस्वीर उठाई और दर्जनों कैमरों के सामने उसे फाड़ दिया। उनकी पार्टी ने यह प्रेस कॉन्फ्रेंस सोनिया गांधी के संस्मरण 'बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव' में सावरकर के चित्रण के विरोध में बुलाई थी। ज्ञातव्य है कि शिवसेना (यूबीटी) इस समय कांग्रेस की सहयोगी है।

तस्वीर फाड़ते समय वे कैमरों के सामने मुस्कुरा भी रही थीं।

इसके बाद उन्होंने एक और तस्वीर उठाई। उसे कैमरों के सामने दिखाया और बीच से फाड़ दिया। लेकिन तस्वीर फाड़ते हुए उन्हें अचानक एहसास हुआ कि यह वह तस्वीर नहीं है, जिसे वह फाड़ना चाहती थीं। उनके चेहरे के भाव बदल गए। पहले उनके चेहरे पर सहजता थी, लेकिन अब घबराहट दिखाई देने लगी। उन्होंने जल्दी से आधी फटी तस्वीर को कागजों के एक ढेर के नीचे छिपा दिया और फिर पहले की तरह सहज होकर कैमरों के सामने मुस्कुराने लगीं।

उस तस्वीर में बालासाहेब ठाकरे एक हाथ में चप्पल लिए हुए थे और उनके एक तरफ मणिशंकर अय्यर खड़े थे। खबरों के अनुसार, शाइना एनसी ने बालासाहेब की तस्वीर फाड़ दी, जो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- शिव सेना नेता शाइना मुनोत व्यर्थ ही खेमेबाजी की क्रॉस-फायर में फंसीं।
- शाइना मुनोत ने पुरजोर शब्दों में अपनी झेंप मिटाई और कहा, वे सदा से बाला साहब ठाकरे की ऊर्जादार-शैली की प्रशंसक रही हैं और उनसे प्रेरणा लेती रही हैं।
- अंत में शाइना मुनोत ने कहा, "उन्हें किसी से प्रमाण-पत्र लेने की जरूरत नहीं है, बाला साहब ठाकरे के प्रति वफादारी जताने के लिए।"

नवीनतम सर्वे में काफी रोचक तथ्य सामने आये हैं भारत के बारे में

अमेरिका की जानी मानी सर्वे करने वाली संस्था, पियु रिसर्च के अनुसार, भारत में हिंदुओं की जनसंख्या बढ़ेगी, पर 2070 तक प्रतिशत केवल 76 प्रतिशत होगा, जो 2020 में 79 प्रतिशत था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। "प्यू रिसर्च सेंटर" के एक नए अध्ययन के अनुसार, भारत अगले कई दशकों तक हिंदू बहुसंख्यक देश बना रहेगा, लेकिन 2070 तक यहां पाकिस्तान के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी होगी।

इस अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि 2035 तक मुसलमान, ईसाइयों को पीछे छोड़कर, दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक समूह बन जाएंगे। इस अध्ययन में भारत की धार्मिक संरचना में धीरे-धीरे होने वाले बदलाव को भी दर्शाया गया है।

अध्ययन के अनुसार, 2070 में भारत की कुल आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी 76 प्रतिशत होगी, जो 2020 में 79 प्रतिशत थी। वहीं, मुसलमानों की आबादी का प्रतिशत 15 से बढ़कर 20 प्रतिशत होने का अनुमान है। "प्यू" ने इस बदलाव के पीछे उग्र और प्रजनन दर को कारण बताया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में मुसलमानों की औसत आयु हिंदुओं की तुलना में कम है और उनके बच्चों की संख्या अधिक है। इसलिए भले ही कुल प्रजनन दर में गिरावट आई है, फिर भी उनकी आबादी तेजी से बढ़ने का अनुमान है।

बुधवार को जारी इस अध्ययन में मुख्य रूप से अगले पांच दशकों में दुनिया की धार्मिक आबादी की संरचना में होने वाले बदलावों का अनुमान लगाया गया है। इसके लिए "प्यू" रिसर्च

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इसकी तुलना में मुसलमानों की जनसंख्या का टोटल प्रतिशत 15 से बढ़कर 20 प्रतिशत हो जाएगा।
- पियु के अनुसार, इसका मुख्य कारण है, भारत में मुसलमान समुदाय के लोगों की औसतन आयु 24 वर्ष है, जबकि हिंदुओं की आम औसतन आयु 29 है।
- पियु के अनुसार, मुसलमान महिलाएं औसतन 2.3 बच्चों जो जन्म देती हैं, जबकि हिंदू महिलाएं 1.8 बच्चों को जन्म देती हैं।

'छोटी सजा पाने वाले को प्रमोशन से इंकार नहीं किया जा सकता'

जयपुर, 19 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि सिविल सेवा नियम के तहत बीते सात सालों में परिनिंदा या बिना संचयी प्रभाव के एक

- हाई कोर्ट ने कहा कि वेतन वृद्धि रूकने से कोई भी प्रमोशन के लिए अयोग्न नहीं ठहराया जा सकता।

वेतन वृद्धि रोकने जैसे छोटी सजा पाने वाले कर्मचारी को प्रमोशन से इनकार नहीं किया जा सकता। सीजे संजय के. अग्रवाल, जस्टिस समीर जैन और जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर की फुल बेंच ने ये आदेश मामले में भेजे गए रेफरेंस को तय करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि कार्यपालिका के परिपत्र केवल नियमों के खालीपन को भर सकते हैं, लेकिन वैधानिक नियमों में बदलाव नहीं कर सकते या उनसे परे नहीं हो सकते। सीसीए नियमों में परिनिंदा या वेतन वृद्धि रुकने पर प्रमोशन के अयोग्य ठहराने की कोई सीधी रोक नहीं है। बिना विचार किए केवल परिपत्र के आधार पर प्रमोशन रोकना अप्रत्यक्ष रूप से प्रमोशन रोकने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मैंने कभी चुनावों का बहिष्कार करने की बात नहीं कहीं'

"अगर चुनाव ही नहीं हुए तो प्रजातंत्र स्वयं ही खत्म हो जाएगा"

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय लोकतंत्र को पवित्र बताया, लेकिन ऐसा लगता है कि भाजपा ने उनके शब्द को 'बीमार' समझ लिया। भाजपा ने कांग्रेस नेता पर हमला बोलते हुए उन पर एक बार फिर भारत विरोधी होने का आरोप लगाया।

बुधवार को अमेरिका के शिकागो विश्वविद्यालय में एक बातचीत के दौरान राहुल गांधी से पूछा गया कि यदि विपक्ष को लगता है कि चुनावों में धांधली होती है, तो वह चुनावों का बहिष्कार क्यों नहीं करता?

इसके जवाब में राहुल गांधी ने कहा कि उनके लिए "भारतीय लोकतंत्र पवित्र है" और कांग्रेस तब तक चुनावों में हार का सामना करने के लिए तैयार है, जब तक लोगों को यह एहसास नहीं हो जाता कि पूरी व्यवस्था को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया है।

- राहुल गांधी ने कहा, "मैंने अमेरिका में कहा था कि प्रजातंत्र "सेक्रेड" (पवित्र व पूजनीय) है, पर, मेरे विरोधियों ने "सेक्रेड" शब्द की जगह "सिक" (बीमार) पढ़ा। पर, क्या सच्चाई है, वह वीडियो देखने से स्वतः ही स्पष्ट हो जाता है।"

प्रोफेसर रॉबर्ट पेप द्वारा संचालित इस बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, "भारतीय लोकतंत्र पवित्र है। मेरे लिए यह कहना भी मुश्किल है कि भारतीय लोकतंत्र में कोई समस्या है, जब तक इसके समर्थन में 100, 200 या 300 प्रतिशत ठोस सबूत न हों।"

बातचीत के वीडियो से साफ पता चलता है कि गांधी ने 'पवित्र' कहा था, न कि 'बीमार'।

कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर विपक्ष से चुनावों का बहिष्कार करने के लिए कहा जाए, तो उसी क्षण लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। गांधी ने कहा कि चुनावी व्यवस्था में कथित खामियों के कारण चुनावों का बहिष्कार करने से भारतीय लोकतंत्र खत्म हो जाएगा और कांग्रेस ऐसा नहीं करना चाहती।

गांधी ने कहा, "अगर हम अपने कार्यकर्ताओं से कहें कि ठीक है, चुनाव में हिस्सा मत लीजिए," तो विपक्ष के उन सभी कार्यकर्ताओं का क्या होगा? अगर हम कह दें कि हम चुनाव नहीं लड़ेंगे, तो उसी क्षण भारतीय लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। और हम भारतीय लोकतंत्र की व्यवस्था को खत्म नहीं करना चाहते।"

उन्होंने आगे समझाया, "इसलिए हमारी रणनीति यह है कि जो कुछ हो रहा है, उसे सबके सामने लाया जाए और तब तक हार का सामना किया जाए, जब तक भारत के लोगों को यह एहसास न हो जाए कि पूरी व्यवस्था को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया है।"

लेकिन राहुल गांधी पर हमला करते हुए भाजपा के प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने वही वीडियो साझा किया और दावा किया कि उन्होंने भारतीय लोकतंत्र को 'बीमार' कहा है।

भंडारी ने एक्स पर लिखा, "राहुल गांधी ने विदेशी धरती से भारतीय लोकतंत्र को बीमार बताया! राहुल गांधी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे परिवार से प्यार करते हैं और लोकतंत्र से नफरत करते हैं! राहुल हर बार साबित करते हैं कि वे भारतीय राष्ट्र, भारत के लोगों और भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ हैं! राहुल गांधी भारत विरोधी प्रचार के नेता हैं!"

अब सैफ अली खान को जान से मारने की धमकी मिली

मुंबई, 19 नवंबर। बॉलीवुड सितारों को धमकी मिलने का सिलसिला लगातार जारी है। अब अभिनेता सैफ अली खान को धमकी दिए जाने की खबर सामने आई है। सूत्रों के अनुसार, इस मामले में बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में वांटेड आरोपी जीशान अख्तर का नाम सामने आ रहा

- धमकी में वॉन्टेड आरोपी जीशान अख्तर का नाम लिया जा रहा है।

है। फिलहाल मुंबई पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। हालांकि, अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि धमकी जीशान अख्तर ने ही दी है या किसी अन्य शख्स ने उसके नाम का इस्तेमाल किया है। पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेते हुए धमकी की सच्चाई का पता लगाने में जुटी है। इसके लिए डिजिटल सबूतों की भी जांच की जा रही है। वहीं, अब तक सैफ अली खान की तरफ से इस पूरे मामले पर कोई आधिकारिक या सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

'कॉरपोरेट जगत केवल "अच्छी" बैलैंस शीट" तक सीमित न रखे अपने आप को, देश को मजबूत व समृद्ध बनाने को भी अपनी प्राथमिकता बनाए'

मोदी ने फिक्की के शताब्दी समारोह में साफ शब्दों में आह्वान किया कि भारत का भारी "डॉमैस्टिक मार्केट" एक बहुत बड़ी "एडवान्टेज" है, भारत के उद्योगपतियों के पास

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय उद्योग जगत को एक स्पष्ट संदेश दिया है कि अब समय आ गया है कि कंपनियाँ बैलैंस शीट, तिमाही मुनाफे और घरेलू बाजारों से मिलने वाली सुरक्षा से आगे देखें और राष्ट्र निर्माण की बड़ी जिम्मेदारी उठाएं। गुरुवार को "फैडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री" (फिक्की) के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने उद्योगपतियों से कहा कि वे अपने निवेश संबंधी फैसलों का आधार राष्ट्रीय हित को बनाएं और भारत को एक विकसित, तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर तथा विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाली अर्थव्यवस्था बनाने में मदद करें।

यह संबोधन केवल फिक्की की सौ साल की यात्रा का उत्सव मनाने तक सीमित नहीं था। यह भारतीय उद्योग जगत से अपनी प्राथमिकताओं पर दोबारा विचार करने और एक ऐसी विरोधाभासी स्थिति की ओर इशारा करता है, जो असहज करने वाली है: भारत दुनिया का एक बड़ा विनिर्माण केन्द्र (मैनुफैक्चरिंग पावर हाउस) बनने की आकांक्षा रखता है, लेकिन इसके बावजूद वह महत्वपूर्ण औद्योगिक कच्चे माल, विशेष उत्पादों और तकनीकों के लिए आयात पर बहुत अधिक निर्भर है, जबकि उसे ये चीज़ें खुद बनाने में सक्षम होना चाहिए।

मोदी का मुख्य संदेश यह था कि भारतीय उद्योग जगत (कॉर्पोरेट इंडिया) केवल ऐसे कारोबारों से संतुष्ट नहीं रह सकता, जो अच्छा मुनाफा तो देते हैं, लेकिन देश के आर्थिक ढांचे में रणनीतिक कमियाँ छोड़ देते हैं। उन्होंने कंपनियों से आग्रह किया कि वे अगले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पर, यह "एडवान्टेज" एक कमज़ोरी व दुर्बलता बन जाएगी, अगर भारत के उद्योगपति इस "कंज़्यूमर बेस" को संतुष्ट करने तक ही सीमित रखेंगे। उदाहरण के लिए भारत का फार्मास्युटिकल उद्योग बहुत लाभ कमा रहा है। पर, अभी मूल "रस-रसायन" विदेशों से ही आते हैं, इस इण्डस्ट्री के लिए।
- और, अब जब सप्लाई श्रृंखला का "वैपनाईजेशन" (आक्रमक शस्त्र) के रूप में काम लिया जा रहा है तो मूल सॉल्ट का उत्पादन भी भारत में होना अनिवार्य हो गया है। इस कमी की पूर्ति करे बगैर भारत वास्तव में विकसित देश नहीं कहला सकता।

आज दोपहर में आँध्र-ओडिशा तट पर टकराएगा चक्रवाती तूफान

नई दिल्ली, 19 नवंबर। पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में बना भीषण चक्रवाती तूफान 'अकवान' तेजी से तटीय इलाकों की ओर बढ़ रहा है। इसके 20 नवंबर की दोपहर तक

- जमीन से टकराते समय 110 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं चलेंगी।

नरसपुर और पुरी के बीच गोपालपुर के निकट उत्तरी आंध्र प्रदेश, यनम तथा दक्षिणी ओडिशा के तटों को पार करने की संभावना है। जमीन से टकराने के दौरान 90-100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिनके झोंकों के साथ 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। इसके मद्देनजर उत्तरी आंध्र प्रदेश, यनम और दक्षिणी ओडिशा के तटों के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)